विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 17-06-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

कारक-विभक्तिः

जब विभक्ति का प्रयोग कारक के चिह्नों के अनुसार होता है, उसे कारक विभक्ति कहते हैं। जैसे–यह मोहन की पुस्तक है। यहाँ 'की' चिह्न मोहन का पुस्तक के साथ संबंध बता रहा है। इसलिए यहाँ पर संबंध कारक है और षष्ठी विभक्ति का प्रयोग होगा। 'इदं मोहनस्य पुस्तकम् अस्ति।'

कर्ताकारकः	प्रथमा विभक्तिः	बालकः पठति।	बालक पढ़ता है।
कर्मकारकः	द्वितीया विभक्तिः	बालकः भोजनं खादति।	बालक भोजन खाता है।
करणकारकः	तृतीया विभक्तिः	बालकः पादाभ्यां चलति।	बालक पैरो से चलता है।
सम्प्रदानकारकः	चतुर्थी विभक्तिः	बकः ध्यानाय प्रसिद्धः।	बगुला ध्यान के लिए प्रसिद्ध है।
अपादानकारकः	पञ्चमी विभक्तिः	सः अश्वात् पतति।	वह घोड़े से गिरता है।
सम्बन्धकारकः	षष्ठी विभक्तिः	सीता रामस्य पत्नी आसीत्।	सीता राम की पत्नी थी।
अधिकरणकारकः	सप्तमी विभक्तिः	माता पुत्रे स्नेह्यति।	माता पुत्र पर प्यार करती है।
सम्बोधनम्	सम्बोधनम्	हे देव! माम् रक्ष।	हे देव! मेरी रक्षा करो।

ऊपर लिखे जो भी रंगीन शब्द हैं, वे विविध कारकों में हैं।

उपपद-विभक्तिः

जब वाक्य में विभक्ति का प्रयोग कारक के चिह्नों के आधार पर न होकर किसी शब्द विशेष (उपपद) के अनुसार होता है, उसे उपपद विभक्ति कहते हैं। जैसे–ग्रामात् बहिः वाटिका अस्ति। यहाँ पर 'बहिः' के कारण 'ग्राम' शब्द में पञ्चमी विभक्ति का प्रयोग हुआ है।

कर्ताकारकः (प्रथमा वभक्तिः)

जो शब्द वाक्य में कर्ता होते हैं, उनमें प्रथमा विभक्ति का प्रयोग होता है। कर्ताकारक का चिह्न 'ने' होता है। कर्ता संज्ञा एवं सर्वनाम दोनों हो सकते हैं। इनका प्रयोग तीनों लिंगों एवं तीनों वचनों में होता है।

पुल्लिङ्गे

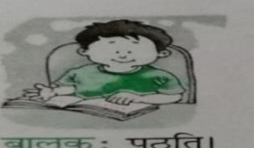

बालकः पठति।
(बालक पढ़ता है।)
सः पठति।
(वह पढ़ता है।)

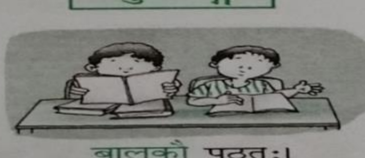

बालकौ पठतः।
(दो बालक पढ़ते हैं।)
तौ पठतः।
(वे दो पढ़ते हैं।)

बालकाः पठन्ति।
(बालक पढ़ते हैं।)
ते पठन्ति।
(वे सब पढ़ते हैं।)

स्त्रीलिङ्गे

कन्या खेलति।
(कन्या खेलती है।)
सा खेलति।
(वह खेलती है।)

कन्ये खेलतः।
(दो कन्याएँ खेलती हैं।)
ते खेलतः।
(वे दो खेलती हैं।)

कन्याः खेलन्ति।
(कन्याएँ खेलती हैं।)
ताः खेलन्ति।
(वे सब खेलती हैं।)

नपुंसकलिङ्गे

कमलम् विकसति।
(कमल खिलता है।)
तत् विकसति।
(वह खिलता है।)

कमले विकसतः।
(दो कमल खिलते हैं।)
ते विकसतः।
(वे दो खिलते हैं।)

कमलानि विकसन्ति।
(अनेक कमल खिलते हैं।)
तानि विकसन्ति।
(वे सब खिलते हैं।)

उभयलिङ्गे

त्वं किम् पठसि?
(तुम क्या पढ़ते हो?)

युवां किं पठथः?
(तुम दो क्या पढ़ते हो?)

यूयं किं पठथ?
(तुम सब क्या पढ़ते हो?)